त्रिलोकमाता नन्नु

रागम्: परजु ताळम्: मिश्र चापु/आदि

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

त्रिलोकमाता नन्नु ब्रोवु करुणनु
दिनदिनमिकनु ब्रोवुमु अम्बा

अनुपल्लवि

विलोकिम्पुमु सदय नन्नु चल्लनि
वीक्षिञ्चि क्षणमुन कामाक्षि

चरणम्

निन्नु नम्मियुण्डग श्रमपडवलेना

ने नेन्दिगान दिक्कु निन्नुविना

घनमुगा कोरिकल कोरिकेरियेमि
गानग खिन्नुडनैति धन्यु जेसि ॥ १ ॥

जपमुलेरुगनु तपमुलेरुगनु

चपल चित्तुडनु सततमु कृपकु

पात्रुडनु वेडेदनु निन्नु कीर्तिञ्चि
एट्लैन्न नी बिड्डयनि ॥ २ ॥

मरुवग निन्नु ने मदि दलचगनु

मन्निञ्चि वेरवकु मनरादा

शरणमे सुजनुल पालि कल्पवल्लि
शङ्करि श्यामकृष्णसोदरि ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇